ईश्वरकृष्णविरचिता

# सांख्यकारिका

विस्तृत भूमिका, अन्वय, हिन्दी अनुवाद, चन्द्रिका हिन्दी व्याख्या,
तथा गौडपाद भाष्य सहित

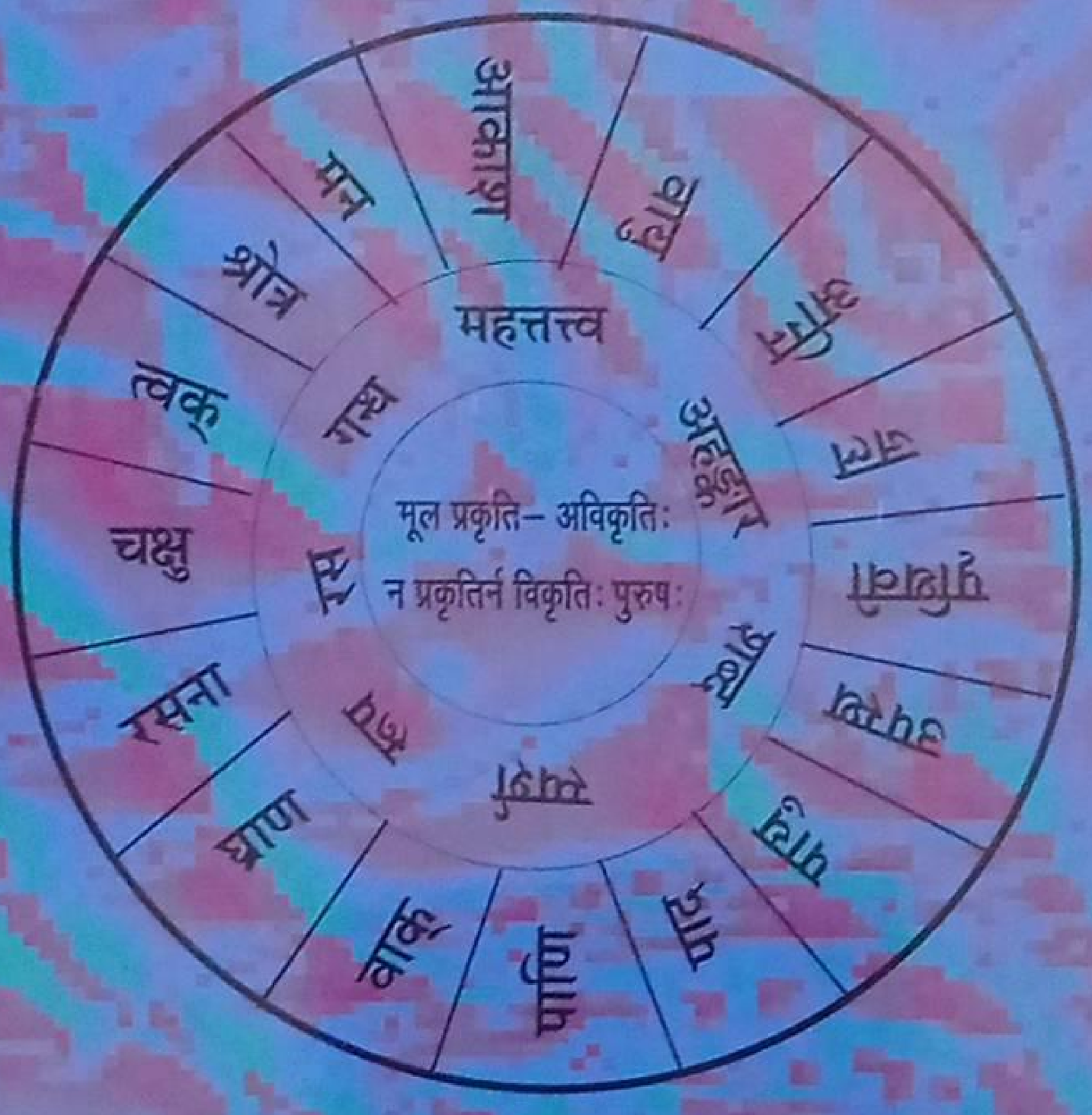


हिन्दी व्याख्याकार

डॉ० राकेश शास्त्री

Scanned by TapScanner

# विषयानुक्रमणी


| | |
|---|---|
| १. प्रास्ताविकम् | ७-८ |
| २. भूमिका | ११-६३ |
| (क) दर्शन से अभिप्राय | ११ |
| (ख) दर्शन का विकास | ११ |
| (ग) भारतीयदर्शन एक परिचय | १२ |
| (घ) सांख्यदर्शन के मूलस्रोत | १६ |
| (ङ) उपनिषदों में सांख्य दर्शन | १७ |
| (च) सांख्य के प्रमुख आचार्य एवं रचनाएँ | १९ |
| (कपिल, आसुरि, पञ्चशिख, विन्ध्यवासी, जैगीषव्य, वार्षगण्य, अन्य) | १९-२२ |
| (छ) सांख्य के प्रमुख प्राचीन ग्रन्थ (सांख्य-सूत्र, षष्ठितन्त्र, राजवार्त्तिक, | |
| एपिक सांख्य, अर्वाचीन सांख्यसूत्र, तत्त्व-समास) | २५-२९ |
| (ज) ईश्वरकृष्ण सांख्यकारिका, एवं प्रमुख टीका, प्रटीकाएँ | २९ |
| (ईश्वरकृष्ण-काल, सांख्यकारिका, महत्त्व, वर्ण्यविषय, टीकाएं, प्रटीकाएँ) | २९-३६ |
| (झ) सांख्यदर्शन के प्रमुख सिद्धान्त | ३७ |
| (i) सांख्य का प्रयोजन | ३७ |
| (ii) पुरुष (ञ) | ४० |
| (iii) प्रकृति (अव्यक्त) (क) सत्त्व (ख) रजस् (ग) तमस् | ४४-४८ |
| (iv) सृष्टिप्रक्रिया | ४८ |
| (v) प्रलयावस्था | ५३ |
| (vi) सूक्ष्म-शरीर | ५३ |
| (vii) स्थूलशरीर | ५४ |
| (viii) प्रमाण (क) प्रत्यक्ष (ख) अनुमान (ग) आप्त (शब्द) | ५५-५८ |
| (ix) सत्कार्यवाद | ५९ |
| (x) पुरुष-बहुत्व | ६० |


Scanned by TapScanner

(xi) बन्धन ६०

(xii) मोक्ष ६२

३. सांख्यकारिका 'चन्द्रिका' हिन्दी व्याख्या १-१७१

४. परिशिष्ट १८०-२०५

(i) गौडपादभाष्य १८०-२०२

(ii) सहायकग्रन्थ-सूची २०३

(iii) कारिकानुक्रमणी २०४-२०५

Scanned by TapScanner